www.sgbauonline.com

AR–126

B.Sc. Part–II (Home Science) (Semester–IV) Examination
HUMAN DEVELOPMENT–4.3
Paper—243 HD 25

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 40

Note :— Solve **ALL** questions.

1. Write in short : 8

   (i) Scope of early childhood education

   (ii) M.K. Gandhi

   (iii) Maria Montessori

   (iv) Anganwadi.

2. Write the importance of weekly and daily planning in pre-school. 8

OR

Write the activities of Mathematics and Science in pre-school education. 8

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

3. Write in short : 8

(i) Organised games

(ii) Functions and celebration

(iii) Importance of play

(iv) Play equipment.

4. Write the importance of informal meeting and workshop in pre-school education. 8

OR

Describe the general guidelines and criteria for evaluation of parents. 8

5. Write true or false : 8

(i) In Psychology Introspection method plays an important role on child study.

(ii) Parental rejection does not develop inferiority complex in children.

(iii) Psychology plays an important role in all types of educational fields.

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(iv) Child Psychology is a positive science which studies the behaviour of child.

(v) The need of acceptance is not a primary need of the child.

(vi) Rejection and over protection are adverse parental attitudes which are symptoms of maladjustment and immaturity.

(vii) The attitudes and behaviour of parents are more like to influence the child development.

(viii) Case history method plays an important role in solving the problems of children.

(मराठी माध्यम)

सूचना :— सर्व प्रश्न सोडवा.

1. थोडक्यात लिहा :- 8

(i) पूर्व प्राथमीक शिक्षणाची व्याप्ती

(ii) एम. के. गांधी

(iii) मारीया मॉन्टेसरी

(iv) अंगणवाडी.

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

2. पूर्व प्राथमीक शाळेत दैनदिन व आठवड्याच्या नियोजना महत्व लिहा.

किंवा

पूर्व प्राथमीक शाळेत गणित आणि विज्ञान या क्रिया बद्दल लिह

3. थोडक्यात लिहा :–
   (i) सुसंघटीत खेळ
   (ii) समारंभ व उत्सव
   (iii) खेळाचे महत्व
   (iv) खेळाची साधने.

4. पूर्व प्राथमीक शिक्षणात अनौपचारीक सभा व कार्यशाळेचे महत लिहा.

किंवा

पूर्व प्राथमीक शाळेत पालकांचे मूल्यामापन करण्याच सर्वसाधारण मार्गदर्शीका आणि कसोट्या सांगा.

5. खरे खोटे लिहा :-
   (i) मानसशास्त्रात आत्मनिरीक्षण पद्धती ही बालकाचा अभ्य करण्यात महत्वाची भूमीका बजावतो.
   (ii) पालकाच्या नकारात्मक वागणूकीमूळे बालकामधे न्युनगंडा भावना निर्माण होत नाही.

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(iii) मानसशास्त्र सर्व प्रकारच्या शैक्षणिक क्षेत्रात महत्वाची भूमिका लजावतो.

(iv) बालमानसशास्त्र हे बालकाच्या वर्तन समस्येचा अभ्यास करणारे सकारात्मक विज्ञान आहे.

(v) बालकाचा स्विकार ही बालकाची प्राथमीक गरज नाही.

(vi) पालकाच्या नकार आणि अतीसंरक्षण ह्यस पालकाच्या विरुद्ध दिशेच्या अभीवृत्ती आहेत. ज्यामुळे बालकामध्ये अपरीपक्वता व असमायोजन ही लक्षणे दिसतात.

(vii) बालकाच्या विकासात पालकांची अभीवृत्ती आणि वर्तणूक परिणाम करतात.

(viii) बालकाच्या समस्या सोडविण्याकरीता वृत्तइतिहास पद्धतीची महत्वपूर्ण भूमिका आहे.

(हिन्दी माध्यम)

सूचना :— सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. संक्षिप्त में लिखिए :- 8

(i) पूर्व शालेय शिक्षा की व्याप्ती

(ii) एम. के. गांधी

(iii) मारीया मॉन्टेसरी

(iv) अंगणवाड़ी।

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

2. पूर्व प्राथमिक शालेय शिक्षा में दैनदिन और सप्ताह के नियोजन के बारे में लिखिए। 8

अथवा

पूर्व शालेय शिक्षा में गणित और विज्ञान यह क्रिया के बारे में लिखिए। 8

3. संक्षिप्त में लिखिए :– 8

(i) सुसंघटित खेल

(ii) समारंभ और उत्सव

(iii) खेल का महत्व

(iv) खेल के साधन।

4. पूर्व शालेय शिक्षा में अनौपचारिक सभा और कार्यशाला का महत्व लिखिए। 8

अथवा

पूर्व शाला में पालकों का मूल्यांकन करने की सर्वसाधारण मार्गदर्शीका (general guidelines) और कसौटी बतलाइये। 8

5. सच और झूठ लिखिए :– 8

(i) मानसशास्त्र में आत्मनिरीक्षण पद्धती यह बालकों का अध्ययन करने में महत्वपूर्ण भूमिका लेती हैं।

(ii) पालकों के नकारात्मक व्यवहार के कारण बालकों में न्युनगंड की भावना निर्माण नहीं होती।

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(iii) मानसशास्त्र सभी प्रकार के शैक्षणिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका लेती है।

(iv) बालमानसशास्त्र बालकों के व्यवहार समस्याओं का अध्ययन करने का सकारात्मक विज्ञान है।

(v) बालक का स्वीकार यह बालक की प्राथमिक आवश्यकता नहीं हैं।

(vi) पालकों की नकारात्मकता और अतिसंरक्षण यह विरुद्ध दिशाओं की पालकों की अभिवृत्ति है। जिस कारण बालक में अपरीपक्वता और असमायोजन यह लक्षण दिखाई देते हैं।

(vii) बालक के विकास में पालकों की अभिवृत्ति और व्यवहार परिणाम करती है।

(viii) बालकों की समस्याओं का निराकरण करने के लिये वृत्त इतिहास पद्धती महत्वपूर्ण भूमिका लेती है।

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com